



Admissible under Regn. Rule
21 and also u/s 52 of the
Wildlife (Protection) Act, 1972, duly
stamped, dated 10-10-1989
by → under the India Stamp
Act, 1898 as annexed in 1994
Schedule I A No 22
Process Fee 3.50
Paid in G. F. R. 3.50

- : रु. - ६०,०००.०० दश शाही ट्रिक्का यल्लर : -

ନିଃଶ୍ଵର ମାତ୍ର ବିକ୍ରି କୋବଳା ଦିଲ

କୋରାମା ଗନ୍ଧିତା : -

ଶ୍ରୀ ପାତ୍ରଦା ଏବଂ ଅରକାର ।

ପିତା - ମୁହଁ ଯାଏନ୍ତି ଚକ୍ର ପରିକାର ।

उत्तर- एवं लगा - हारु द्वारा ।

प्राक्तिक - ४७। ऐच . लड्डुमाराण।

१८८ - अप्र० । अधिकार - १९१

काव्यसा दण्डः -

ग्रन्थालय ।

ଖିର୍ବା - ମୁଣ୍ଡ ପରି ଚରିତ ବାସ

सर्वानि शिष्य आहेत - अनुवादी

साहित्य - लेखन एवं निबन्ध

• 100 • 阿爾卑斯山的風情

***** 100% *****

କ୍ଷୟ ଗ୍ରାହତ ଦ୍ଵିତୀୟଙ୍କ ପ୍ରତୀକ୍ଷା ଶାନ୍ତି କ୍ଷୟ କ୍ଷୟ ଯାମ ଯାତ୍ରାଯାତ୍ରା

ପ୍ରତି ବିଦ୍ୟାଲୟରେ ଉପରେ ଏହା ମିଳିବା ଏ ପିଲାରୀର ସମ୍ମାନ ଅଛି କିମ୍ବା ପିଲାରୀ

१८६१ वार्षिकाम् : -



Panchayat

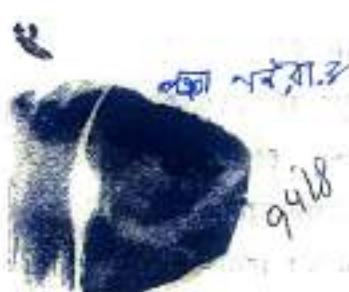
to Shri Hare Chandra
Chakrabarti
Thana ... Tiljala
District ... 24 Parganas
By. Cast ... Hindu
By. profession Cultivator

[Signature]

Shri Shambhu

to Shri Shambhu
No. 171, P. G. Host
Tiljala
District ... 24 Parganas
By. Cast ... H. P.
By. profession Farmer

[Signature]



[Signature]



(१)

ଭାରତ
ବିଦ୍ୟୁତ
ବିଭାଗ

ଜଳ - ୫୪ ମରଗଣ୍ୟ ଖାନା ଯାବେକ ଟୋଲିଗଡ଼ି ବାହୀମୁଦ୍ରା ଟିନଙ୍ଗନା ଏବଂ

ବାହୀମୁଦ୍ରା ଉପିମ ଡାଲିଗୁଡ଼ି ମରଗଣ୍ୟ କନିକାଟା ଡାଲିଗୁଡ଼ି କାଳିକୁଟିରିର ୧୯୧୮ନ ।

ତୋଡ଼ି ଡୂଡ଼ କିମ୍ବକ ନଃ - ୧୫୧ ରଙ୍ଗ ଏବଂ ନଃ - ୧୧ ଶୋଭା ନକ୍ଷର ପାଟି ପ୍ରାୟ

ଯାବେକ ୧୫୧ ନଃ ସତିଯାନ ଯଳ ୧୫୧ ନଃ ସତିଯାନ ଯାବେକ ଓ ଯଳ ୩୭୬ ନଃ

ଦ୍ୱାରେ + ୫୦ ମତକ ଶାଲି ଜୟି ଯାହା ପୁଣ୍ୟ ମୃତ ଜଳମାଧ୍ୟ ବାୟୁର ପୁଣ୍ୟ ଦୟାଲିଯୁ

ମଧ୍ୟ ଥାଏ । ଉଠେ ଜେଲ୍ଲା ନାମ ବାୟୁର ମୁଁ ଉତ୍ସାହ ଗୁପ୍ତ ପ୍ରାୟିକ ଚକ୍ର

ବାୟୁ ଓ ବୋବଲା ଦକ୍ଷାରିଗଡ଼ା ମୃତ ହରି ଚରଣ ବାୟୁର ବାଧୀକ ବସନ୍ତ

କରିଛି ଏବଂ ଯାହାର ପୁଣ୍ୟ ଦୂର୍ଘ ଉଠେ ସମ୍ପାଦିତ କୁଳାହାଶ ପ୍ରାୟ ହଇଥାବଳେ ଜେଲ୍ଲା

ମଧ୍ୟ କରିବାକୁ ଥାଏନ । ଉଠେ ସାଧି ଚରଣ ବାୟୁର ମୃତ୍ୟୁର ଏକ ଯାତ୍ରି

ପୁଣ୍ୟ ହିଙ୍ଗାରେ ଆଧୀଷ୍ଟବାଦିକାର ସୂତ୍ର ପ୍ରାୟ ସମ୍ମୟା ପ୍ରସତ ଅନୁଭିତ । । ଜେଲ୍ଲା ଏବଂ

ଯାନିକ ଦୟାଲିକାର ହେତୁ । ପାତ୍ରବର ଉଠେ ଅନୁଭିତ । । ଜେଲ୍ଲା ଉତ୍ସାହର ଯାନିକ ପ୍ରାୟିକ ଚକ୍ର

ବାୟୁ ପିତା ମୃତ ଜେଲ୍ଲା ନାମ ବାୟୁ ଯାନିକ - ନକ୍ଷର ପାଟି ଜଳ - ୫୪ ମରଗଣ୍ୟ

5762(4)
D. L. G. S.
P. D. A. I.
B. T. A.
S. P. M. A.
T. C. P. M. A.
P. D. A. I.



Sub-Region
24 Batangas
97.82



(०)

ରେଟିନ୍‌ସ୍ଟ୍ରୀଟ୍
ବୁକ୍ ନଂ - ୧ ଜ୍ଞାଯ ନଂ - ୧୪୩ ପାତା ୧୦୧ ହସ୍ତମ୍ଭ ୧୦୦ ଟଙ୍କା
ଲିଖିତ ୧୯୧୭ ମେ ଏକ ଜେତା ଗାର୍ଡିଶନ ଦଲିଲ ଘୁମ ମିମୁ ଗର୍ଭଜଳ ବିଶେଷ ଜ୍ଞାବ
ବର୍ଣ୍ଣିତ ଥାଇ ୧୦୧ ମେ ଧର୍ମଶାସନ ଥାଇ ୦୭୬ ମେ ଦାଖି ୫୦ ମାତ୍ର ଶାନ୍ତି ଉପି ଜ୍ଞାବ
ଜ୍ଞାବ ପାଇଁ ପ୍ରାପ୍ତ ହେଲା ଟେଙ୍କା ଅନ୍ତର୍ଭିତ୍ତି ବିର୍ଦ୍ଦିତ ଗ୍ରାମ ଏହାରେ କାଳିକ ଜ୍ଞାବ
ବର୍ମ ଓ ଦଖଲିକାର ପାଇଁ ଏହା ମନ ମନ୍ଦିରବାହାନ୍ତରେ ଧାରନା କି ଏହାରୁ ଦିନ୍ତା
ମିଳ ଜୋଖ ଦଖଲ ପରିଚାଳନାକୁ କରିଯା ଆଗିଛାଇ । ଉତ୍ତରା ଜ୍ଞାବର ଟେଙ୍କା ବିକ୍ରିକୁ
ଯୋଗ୍ୟ ମୁଦ୍ରାଦି ରହିଯାଇ ।

ଏହାର ନାମ ବିଧିବିନ୍ଦୁ ଯଥିତ କାରାପେ ଜ୍ଞାବର ମନ୍ଦିର ବିଶେଷ
ପ୍ରଯୋଜନ ଯଥିତ ଟେଙ୍କା ୫ ମାତ୍ର ଶାନ୍ତି ଉପି ବିକ୍ରି କରିବାର କଥା ଥିବା କାହାର କାହାର
ପାଇଁ ଉତ୍ତରା ମନ୍ଦିର ମଧ୍ୟ ଦ୍ୱାରେ କଟା ୨୮୩ ଟଟାକ ଶାନ୍ତି ଉପି କରାଯାଇଥାନ୍ -
ଟାଟା ୧୦,୦୦୦.୦୦ ମଧ୍ୟ ଯଜାର ଟାକାର ଧରି କରିବାର କଥା ପ୍ରମାଣ କରିବା କାହାର



(a)

二十一

तापनार ग्रन्तीया यूज गार्डिंग वालार मर विधाय आपनारे उ००० प्रभाति
विक्षेप इवित्त प्रभात शेया उन) त्राज तारिध तापनार निकट एटल यूलार
अधूदृष्ट १०,०००.०० दश शहार टोका एक जालिन वुखिया बाईया तापनार
ग्रन्तीया ग्राम निम्न उनमेल विशेष ज्ञाव वर्णी ५८३७ लाठा ६जाह इटोक
गानि उणि तापनार निकट निर्माण ६ विधीय तवस्थाया ग्रां विक्षेप इविया
तापनार उनसै तापनार नधाल एर्ग इविया एओ ज्ञावलासकिल अन्नादन
इविया ग्राम, उज्जील, ग्राम ६ ग्राम इवित्तहि ये, विक्षेप उ००० उपिल
तापनार यथा विहु ग्रामियु नधल उथिलाव, दावी माओया हिल वा उपाव
तापनार उन) एवेत इत्त तुरे खुल ६ नूर ग्राम इविया निर्माण ग्राम तापनार
इविल ।

प्राप्ति उदा यैत निष्ठ तन्मैस वर्धि प्रभीत शारदीय
प्रत्याधिकारी यैत्या उपिदात वक्तव्ये प्राप्ति नाम जावी लगा , त्वं हो कराए

* * * * * + 34.7185 - * * * Q -

5100 (1)
O. See - 0.00
Date 21-01-
Print

8月20日

Page 10

卷之三十一

१०८ अंग विनायक शर्मा ने इस बात को लेकर अपनी जानकारी दी है।

ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀ ଏହିପଦକୁ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ଆପଣଙ୍କ ଜୀବନକୁ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ

କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ

中華書局影印
中華書局影印

Digitized by srujanika@gmail.com

विद्यालय की विभिन्न संस्थानों के बीच विद्यार्थी वित्तीय समस्या का एक महत्वपूर्ण विषय है।

四、坚持依法行政，严格遵守《行政许可法》和《行政处罚法》

1970-1971 學年第二學期第 1 次定期評量



1982-07-09 00:00:00 9-7-82

ज्ञानवार ग्रन्त विद्युत् शिख उमा दाम, विज्ञय बन्धु, लोड इकान्तर कर्त्तव्ये
में ताना बहाये विवृद्ध द्रुति अनित द्रुति गृह शोभा ओमार्थ ओमार्थान
अनुदाता प्रशंसये द्रुत्ता त्रिपुर दधन इतिहास खाकुन। तायान आपार वा
उपायार ओमार्थान गाने कोन छुटि चलिबे ना करिजो तादा पर्वत
बाटिन, नामज्ञुन ओमार्थ रहेहे।

ज्ञापि ग्रन्त कोवाला दुरार जारिं शुकार लिलाहि ये,
विश्वेत ज्ञापि तापि ईति गृह्ये कोन द्रुग दाम, विज्ञय, लोड बन्धकादि वा
जनानि किहुर दुरार कोन द्रुग इकान्तर वा दायाराद बहि नाहि। औं गम्भी
कोन योक्त्वाद्यार अशुष्टि गम्भी नाहि। विश्वेत गम्भी वर्त्तयाने कोन प्रवर्कार
वा जाथा प्रवर्कार वा कोन योग्य प्राणी कृष्ण विक्रैलिशान वा एकू विक्रैलिशान
एहु नाहि। औं गम्भीज जापार लेउम विज्ञय योग्य द्रुतार्थ बहिश्वाह एवा
देयात जापार धर्म दधन जाह। एकावस्थाय ज्ञापि देया जाननाके विज्ञय करिलाय।

ग्रन्त कोवाला मुरार जापि जारिं चुकि उपिकार करिलहि ये,
उवियाते जापार गृह्यौं उत्ति अकाले किवा कोन उत्ति वारित्य द्रुताप
शुह पारेल ज्ञापि याहिक जाइन जापाल जापिव। ग्रन्त दलिलेर किवा कोन उत्तिय
जास्ताते कोन दरधारादि करार द्रुतालन रहेले ताथा जाननार धरचायु जाननार
प्रयोगान शुभानन किया नित वार खाकिव ओ रहिनाय।

द्रुताप खाक ये, ग्रन्त ०७६ ना दाले एचिय लिले ६ 'जुटि शुभक
प्राप्ति रहिश्वाह। तायान जापानि ओ ग्रन्तापरजानाना गृह लेउ-



3
Sub-Registration
26 Patancheru
9.7.82

१८८८

न्यायिक कमन खालील विज्ञान वावशार बरिंद्र गांधीजीन । तसेहीत कायाकिं
होने रुग्ण उठवे तासीति वाचिव ना । शुक्रां याहव य, विज्ञेत प्रभावित
चापावाळ दरीताछ ।

अनुमर्थ अ॒ष्ट श॒र्व श॒र्वोरे ग॒रुद उ॒द्भुतःक॒राणे ग॒रुद्यत विन॒युवाये
मृत्युवे अ॒त्र दृश्यते य॒र्षी ग॒रुद दृ॒ष्टे उ॒द्भुत इ॒श्वरा य॒ज्ञावः अ॒ष्ट॒द्यु उ॒र्व
दृ॒विष्ट्या ग॒रुद्या उ॒द्भुत शुक्रां अ॒त्र आ॒त लोवाणा दृश्यत मृति प्रभावने ॥
त्रैतीया कृतिया दिवाय । ई॒ष्टि अ॒न ई॒ज्ञाती - १२६२ अ॒लंक॑ १ ई॒ज्ञात॑ ।
वामा अ॒न - १३६१ अ॒लंक॑ - ४४ ई॒ज्ञात॑ ।

- : उपर्युक्त विज्ञेत प्रभावित ग्रन्थातुः -

त्रैतीया - ४४ वर्षगां, अ॒नां प्राव॒क दैत्यिग॒जः व॒ष्टिप्राव॒न तिन॒जना ॥
साव त्रैतीया उ॒चित्र त्रैतीय॒ वर्षगां व॒ष्टिकाणा त्रैतीय॒ राजा॒लौटीर॑ १११८ अ॒
लोत॑ ८३० व॒ष्टिग॒न - १०१ अ॒त्र ए॒वः व॒न - १६ लोत॑ स॒खर आ॒ट शुक्र
प्राव॒क १०१ ना॒ ए॒तियान॑ या॒न १०१ ना॒ ए॒तियान॑ प्राव॒क व॒ या॒न ०७६ ना॒
दृ॒ष्टि २० श॒क॑ श॒क॑ उ॒तिरि य॒द्यो ८८२ व॒ष्टि॑ व॒ष्टि॑ १५३१ दृ॒ष्टि॑ श॒क॑ उ॒ति॑ अ॒त्र
लोवाणा॑ विज्ञेत प्रभावित दरीताछ । याया॑ अ॒त्र मृत्यु॑ नृशम्भ॑ लृष्टि॑ व॒ष्टि॑ दृ॒ष्टि॑
शुक्रां दृ॒ष्टि॑ । ई॒ष्टि॑ या॒तायारि व॒ष्टिप्राव॒न व॒ष्टि॑ १५३१ या॒ता॑ । व॒ष्टिप्राव॒न
विज्ञेत प्रभावित च॒ष्टिप्राव॒न दरीताछ ।

*****प्राव॒न - ***** -



Deutsche Buch-Register
24. PATRIOTIC
9.7.82

(4)

ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର
କାନ୍ତିଲିଙ୍ଗ

ବୈଧଳ ଚାଲାନ୍ : -

ଟିକ୍ଟ : - ୦୭୬ ନା ମାତ୍ରର ୧ ନା ପ୍ରୁଣିତ ଜାହିଁ ।

ଦରିଖ : - ୦୭୬ ନା ମାତ୍ରର ୪ ନା ପ୍ରୁଣିତ ଜାହିଁ ।

ପୂର୍ଣ୍ଣ : - ୦୭୬ ନା ମାତ୍ରର ଜାହିଁ ।

ପରିମାୟ : - ୫୩'୯୨ ଟଙ୍କା ପ୍ରସଂଗ କଥନ ପାଇଅଛି ।

- : ଟିକ୍ଟର ଡାକ୍ତର : -

୧୦୦୨କ ଖା ଟାରକର ମୋଟ ୧୦ ଲକ୍ଷ୍ୟ ----- ୧୦,୦୦୦.୦୦ ଟଙ୍କା ।

ଯବନାଳ ଦଶ ହାତର ଟାଲା ଯାଏ ।

ମନ୍ଦିର ଏବଂ ଆଜି

ବୈଧଳୀ : -

୧) ଶ୍ରୀଚିନ୍ତିନାନ୍ଦନ ପାତ୍ର
ମୁଖ ମନ୍ତ୍ରମାଲା, କଟକ ଜର୍ଦଳୁ

୨) ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର କାନ୍ତିଲିଙ୍ଗ
ମୁଖ ମନ୍ତ୍ରମାଲା

୩) ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର କାନ୍ତିଲିଙ୍ଗ

ଟାଇପ କରିବାକୁ

ଶ୍ରୀଚିନ୍ତିନାନ୍ଦନ ପାତ୍ର
ମୁଖ ମନ୍ତ୍ରମାଲା

ତାରିଖ - ୨୭ ।

75-527
U.S. GOVERNMENT PRINTING OFFICE: 1937



SEARCHED	INDEXED
SERIALIZED	FILED
1937	LIBRARY
U.S. GOV'T	PRINTING

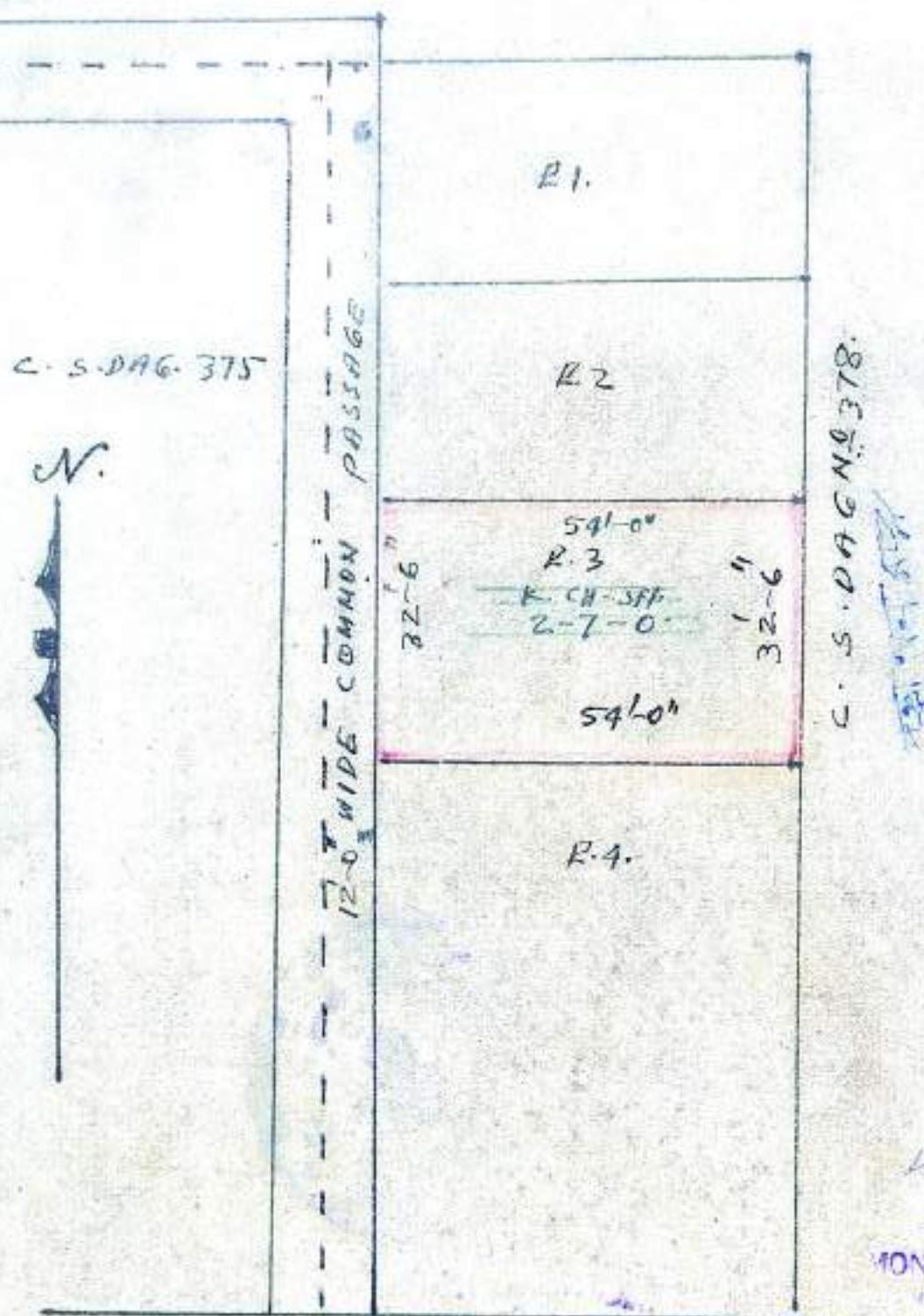
U.S. GOVERNMENT PRINTING OFFICE: 1937

SEARCHED INDEXED
SERIALIZED FILED
9-7-82



SITE PLAN

C. S. DA GNS 376 J. L. NO II.
MOUZA= LASKARAT P. S. TILJAWI
SCALE .2061".



MONOTOSH BOSE,
F.I.T.,
Mysore.

